# K-799

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MAJY-506

## सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester, Examination 2023 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

## ( खण्ड-क )

## ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. प्रजापत्यमान का विवेचन करते हुये इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. द्युज्या, त्रिज्या एवं चरज्या को परिभाषित करते हुये इसके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

3. सावन मान, सौर मान एवं नाक्षत्र मान का वर्णन करते हुये इसके उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. अहोरात्र व्यवस्था पर निबन्ध लिखिये।

5. अधिमास एवं क्षयमास से आप क्या समझते हैं?

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. स्वकल्पित अहर्गण साधन कीजिए।

2. मध्यम ग्रह का साधन कैसे किया जाता है?

3. मन्दफल साधन विधि एवं उपयोगिता को बताइए।

4. सोदाहरण शीघ्रफल संस्कार का लेखन कीजिए।

5. उदयान्तर से क्या तात्पर्य है? इसके धनर्णत्व का वर्णन कीजिए।

6. भुजान्तर संस्कार का वर्णन कीजिए।

7. क्षेत्र प्रदर्शनपूर्वक इष्टक्रान्तिज्या के स्वरूप को दर्शाइये।

8. स्पष्ट ग्रहसाधन के विविध अवयवों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

---